

क्रमांक 1992-ज(I)-79/1075.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री रिशाल सिंह, पुत्र श्री रघुनाथ सिंह, गांव जयसिंहपुर खेड़ा, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1777-ज(I)-78/1130.—श्री नत्थू सिंह, पुत्र उदमी राम, गांव ऊन, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की युद्ध जागीर जो उसे हरियाणा सरकार के राजस्व विभाग की युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 5179-आर(4)-67/3495, दिनांक 29 सितम्बर, 1967 द्वारा खरीफ, 1964 से 100 रुपये वार्षिक की दर से मंजूर की गई थी, रबी, 1966 से मसूख की जाती है।

दिनांक 15 जनवरी, 1980

क्रमांक 1952-ज(II)-79/1808.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री लड्डी राम, पुत्र श्री श्री राम, गांव नीलोठी, तहसील व जिला रोहतक, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 16 जनवरी, 1980

क्रमांक 1953-ज(II)-79/1928.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सूरत राम, पुत्र श्री शिव नाथ, गांव दरियापुर, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1949-ज(II)-79/1934.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमति मेहरो, विधवा श्री सन्त राम, गांव कुलताना, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1951-ज(II)-79/1938.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री धर्म सिंह, पुत्र श्री बसन्ता, गांव कानोन्दा, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

रघुनाथ जोशी,

विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।

LATE NOTIFICATIONS